

मेहंदीपुर जाऊंगा बिगड़ी बनाऊंगा भजन लिरिक्स



मेहंदीपुर जाऊंगा, बिगड़ी बनाऊंगा ।
(तर्ज – अब ना छुपाऊंगा)

मेहंदीपुर जाऊंगा, बिगड़ी बनाऊंगा ।
चरणों में बाला के, सर अपना झुकाऊंगा ॥
पाऊंगा बालाजी का प्यार, करूं तन मन अर्पण ॥

तेरी महिमा बड़ी भारी है जगत में तेरा उजाला है ।
हे लाल लंगोटे वाले सबका तू प्रतिपाला है ।
कलयुग का देव निराला, पल में वर देने वाला,
हो खाली ना जाऊंगा, खुशियों से अपना मैं
दामन भर ले जाऊंगा,
करना न बाबा इन्कार, करूं तन मन अर्पण ॥१॥
पाऊंगा बालाजी का ...

सालासर मैं बजरंगी ने, डेरा अपना लगाया है ।
दिखाकर शक्ति अपनी यह, सारे जग में छाया है ।
भेजते हैं बुलावा भक्तों को, दर पे अपने बुलाते हैं,
हो भटके को राह दिखाते, मन का अंधेरा मिटाते,
सोया भाग्य देते जगा
करते हैं बेड़ा पार, करूं तन मन अर्पण ॥२॥
पाऊंगा बालाजी का ...

पैदल पैदल बाबा मैं, धाम तेरे आऊंगा ।
लड्डू पेड़ा खीर चूरमा भोग लगाऊंगा ।
सोने के छत्र चढ़ाऊँ, माथे सिन्दूर तिलक लगाऊँ,
जैकार तेरी बुलाऊंगा
'खेदड़' की नैया करना पार, करूं तन मन अर्पण ॥३॥
पाऊंगा बालाजी का ...

मेहंदीपुर जाऊंगा, बिगड़ी बनाऊंगा ।
चरणों में बाला के, सर अपना झुकाऊंगा ॥
पाऊंगा बालाजी का प्यार, करूं तन मन अर्पण ॥